भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1115

दिनांक 25 जुलाई, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

नासिक में एमबीबीएस डॉक्टर

†1115. श्री राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजेः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) महाराष्ट्र के नासिक जिले में मौजूदा एमबीबीएस डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात क्या है और साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग आंकड़े क्या हैं और इनकी राज्य और राष्ट्रीय औसत से तुलना किस प्रकार की जाती है;

(ख) क्या सरकार द्वारा ग्रामीण, पर्वतीय और आदिवासी क्षेत्रों सहित नासिक जिले में अर्हता-प्राप्त एमबीबीएस डॉक्टरों की उपलब्धता में वृद्धि करने और चिकित्सा सेवाओं में शहरी-ग्रामीण अंतर को पाटने के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं;

(ग) यदि हाँ, तो नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, भर्ती अभियान, ग्रामीण सेवा प्रोत्साहन, टेलीमेडिसिन पहल और नासिक के दूरदराज के क्षेत्रों में डॉक्टरों को बनाए रखने के लिए कोई विशेष योजना सहित उक्त उपायों का ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो उक्त कमी, यदि कोई हो, के क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या नासिक की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में इस महत्वपूर्ण अंतर को दूर करने के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, देश में 13,86,157 पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टर हैं। आयुष मंत्रालय ने सूचित किया है कि आयुष चिकित्सा पद्धति में 7,51,768 पंजीकृत चिकित्सक हैं। यह मानते हुए कि एलोपैथिक और आयुष दोनों पद्धतियों में 80% पंजीकृत चिकित्सक उपलब्ध हैं, देश में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात 1:811 होने का अनुमान है। नासिक जिले के संबंध में विशिष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

सरकार ने देश के ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में डाक्टरों की उपलब्धता में सुधार करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं -

- ग्रामीण आबादी को समान मूलक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करने के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रम में परिवार दत्तक ग्रहण कार्यक्रम (एफएपी) को शामिल किया गया है । एफएपी में मेडिकल कॉलेज गांवों को गोद लेते हैं और एमबीबीएस छात्र इन गांवों में परिवारों को गोद लेते हैं।
- एनएमसी के जिला आवासीय चिकित्सक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मेडिकल कॉलेजों के द्वितीय/तृतीय वर्ष के पीजी छात्रों को जिला अस्पतालों में तैनात किया जाता है।
- ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा देने वाले विशेषज्ञ डाक्टरों और उनके आवासीय क्वार्टरों के लिए दुर्गम क्षेत्रीय भत्ता प्रदान किया जाता है।
- ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सिजेरियन सेक्शन करने के लिए विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित स्त्री रोग विशेषज्ञों/आपातकालीन प्रसूति देखभाल (ईएमओसी), बाल रोग विशेषज्ञों और एनेस्थेटिस्ट/जीवन रक्षक एनेस्थीसिया कौशल (एलएसएएस) प्रशिक्षित डॉक्टरों को मानदेय प्रदान किया जाता है।
- प्रसव-पूर्व देखभाल और किशोर प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य के लिए समय पर जांच और रिकॉर्ड सुनिश्चित करने के लिए डाक्टरों को विशेष प्रोत्साहन और सहायक नर्स मिडवाइफ़ (एएनएम) के लिए प्रोत्साहन।
- राज्यों के विशेषज्ञों को आकर्षित करने के लिए बातचीत अनुसार वेतन की पेशकश करने की अनुमति देते है, जिसमें "आप बोलें,हम भुगतान करें" जैसी कार्यनीतियों में लचीलापन भी शामिल है।
- एनएचएम के तहत दुर्गम क्षेत्रों में सेवारत कर्मचारियों के लिए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अधिमान्य प्रवेश और ग्रामीण क्षेत्रों में आवास व्यवस्था में सुधार जैसे गैर-मौद्रिक प्रोत्साहन भी शुरू किए गए हैं।
- विशेषज्ञों की कमी को दूर करने के लिए एनएचएम के तहत डॉक्टरों के बहु-कौशल विकास को समर्थन दिया जाता है । स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने के लिए एनआरएचएम के अंतर्गत मौजूदा मानव संसाधन का कौशल उन्नयन एक अन्य प्रमुख कार्यनीति है।
- राष्ट्रीय टेलीमेडिसिन सेवा (ई-संजीवनी) के रूप में जानी जाने वाली टेलीमेडिसिन सेवा का कार्यान्वयन । दिनांक 21 जुलाई 2025 तक, कुल 643 स्वास्थ्य सुविधाएं पंजीकृत हैं, 614 स्वास्थ्य सुविधाएं चालू हैं, 556 प्रदाता और कुल 337 चिकित्सकों को ई-संजीवनी मंच पर नासिक जिले में शामिल किया गया है। इस मंच ने जिले में कुल 6,60,719 टेलीपरामर्श की सुविधा प्रदान की है।

****